विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा -षष्ठ दिनांक -08-07-2020

विषय -हिन्दी व्याकरण विषय शिक्षक -पंकज कुमार

सुप्रभात बच्चों आज आप लोग सम्बोधन कारक के बारे में विस्तार पूर्वक अध्ययन करेंगे इसी के साथ आज कारक समाप्त हुआ, आप सब ध्यान पूर्वक अध्ययन करेंगे और भेजें गए कारक को याद करेंगे।

सम्बोधन कारक

सम्बोधन कारक की परिभाषा

संज्ञा या सर्वनाम का वह रूप जिससे किसी को बुलाने, पुकारने या बोलने का बोध होता है, तो वह सम्बोधन कारक कहलाता है।

सम्बोधन कारक की पहचान करने के लिए ! यह चिन्ह लगाया जाता है।

सम्बोधन कारक के **अरे**, **हे**, **अजी** आदि विभक्ति चिन्ह होता हैं।

सम्बोधन कारक के उदाहरण

हे ईश्वर! मेरे साथ ही ऐसा क्यों होता है।

ऊपर दिए गए वाक्य में जैसा कि आप देख सकते हैं हे विभक्ति चिन्ह का प्रयोग किया है। जैसा की हम जानते हैं हे शब्द किसी के सम्बोधन के लिए प्रयोग किया जाता है।

यहां वक्ता हे शब्द ईश्वर के लिए प्रयोग कर रहा है। यहां ईश्वर का सम्बोधन हो रहा है। अतः यह उदाहरण सम्बोधन कारक के अंतर्गत आएगा।

अरे ! तुम इतनी जल्दी कैसे आये।

जैसा कि आप ऊपर दिए गए वाक्य में देख सकते हैं, अरे! विभक्ति चिन्ह का प्रयोग किया गया है। यह आस्चर्यचकित होकर सम्बोधन करने के लिए प्रयोग किया जाता है।

यहां वक्ता अरे! शब्द का प्रयोग करके दुसरे व्यक्ति का सम्बोधन कर रहा है। अतः यह उदाहरण भी सम्बोधन कारक के अंतर्गत आएगा।

हे अर्जुन ! तुम्हे यह काम अवश्य करना चाहिए।

ऊपर दिए गए वाक्य में जैसा की आप देख सकते हैं हे विभक्ति चिन्ह का प्रयोग किया गया है। यह चिन्ह जैसा की हम जानते हैं की किसी का सम्बोधन के लिए प्रयोग किया जाता है।

यहां यह शब्द का प्रयोग करके अर्जुन का सम्बोधन हो रहा है। उसे किसी प्रकार का काम करने की बात कही जा रही है। अतः यह उदाहरण अधिकरण कारक के अंतर्गत आएगा।

संबोधन कारक के कुछ अन्य उदाहरण

- अरे रमेश ! तुम यहां कैसे ?
- अरे भाई ! तुम तो बहुत दिनों में आये।
- अरे बच्चों! शोर मत करो।
- हे ईश्वर! इन सभी नादानों की रक्षा करना।

गृहकार्य –

निर्देशानुसार कारक और विभक्ति प्रयोग करके वाक्य बनाइए –

1- (क) कर्म कारक ----------

को =

(ख) संप्रदान कारक ----------

2- (क) करण कारक ----------

से

(ख) अपादान कारक ----------

3- ने (क) कर्ता कारक ----------